प्रसार भारती

भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

03.07.2025 / प्रादेशिक समाचार / 09:20बजे

मौसम

प्रदेश में मानसून के कड़े तेवर जारी हैं और आज भी मौसम खराब बना हुआ है। राजधानी शिमला सहित अधिकांश स्थानों पर बीती रात भारी वर्षा हुई है। कुल्लू जिला में स्नो गैलरी के पास नाले में आई बाढ़ से मनाली–केलंग सड़क वाहनों की आवाजाही के लिए अवरूद्व हो गई है। सीमा सड़क संगठन द्वारा सड़क बहाली के प्रयास किए जा रहे हैं। ये सड़क बंद होने से केलंग की ओर जाने वाले व मनाली आने वाले वाहनों को रोहतांग दर्रा से होकर भेजा जा रहा है। इस बीच मंडी जिला के बाढ़ व भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य जारी है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार मंडी जिला के विभिन्न स्थानों पर बादल फटने की घटनाओं में 11 लोगों की मृत्यु हुई है, जबकि 34 लोग लापता हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व जिला प्रशासन की टीमें सर्च आपेरशन में तेजी जुटी हुई हैं। इसके अलावा प्रदेश में भूस्खलन से 245 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं, जबकि 918 बिजली ट्रांसफार्मर और 683 पेयजल परियोजनाएं ठप पड़ी हैं। प्रदेश में 20 जून से अब तक मानसून वर्षा के दौरान विभिन्न हादसों में 63 लोगों की मृत्यू हो चुकी है, जबकि 109 लोग घायल हुए हैं। इस बीच मौसम विभाग ने आज व कल राज्य के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं मंडी, हमीरपुर, शिमला, सिरमौर और सोलन और कांगड़ा जिलों में अगले 24 घंटे बाढ़ की चेतावनी जारी की है। प्रदेश में आठ जुलाई तक मौसम के खराब बने रहने की संभावना है।

मुख्यमंत्री

इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि मानसून की इस बारिश में प्रदेश आपदा में फंस गया है और इससे निपटने के लिए सरकार तैयार है। बीते कल सोलन जिले के क्यारीघाट में 24 नई वॉल्बो बसों को रवाना करने के बाद उन्होंने कहा कि आपदा के इस समय में सभी को एकजुटता के साथ काम करना होगा। उन्होंने ये भी कहा कि विपक्ष के नेता जो भी लोगों की समस्याएं उनके सामने रखेंगे, उन्हें पूरा किया जाएगा।

बाईट : मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू– लोग उन आपदा प्रभावितों के साथ खड़े हैं, हमारी सरकार उन आपदा प्रभावितों के साथ खड़ी है। अभी आपदा शुरूआत में ही हमें आ गई है। हम इस आपदा का डटकर मुकाबला कर रहे है। 600 करोड़ रूपये का नुकसान हो चुका है। मंडी जिला में पूरा नुकसान हुआ है। ये ठीक है कि वो जयराम ठाकुर का विधानसभा क्षेत्र है, जहां सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, मैं भी उनसे संपर्क करूंगा जहां–जहां कमियां हैं, उन कमियों को दूर करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार व्यवस्था परिवर्तन के तहत सभी विभागों को आत्मनिर्भर बना रही है और आधुनिक तकनीक से बनीं ये वॉल्बो बसें लंबे सफर में यात्रियों के लिए लाभप्रद होंगी। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री भी मौजूद थे।

बाईट : मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू–एचआरटीसी के नवीनीकरण की दिशा में हम आगे बढ़े, हम चाहते हैं कि आने वाले समय में एचआरटीसी लाभ कमाए, इस दिशा में हम दिन रात काम कर रहे हैं। ये जो बसें जिन्हें हरी झंडी दिखाई है, ये हमारे लांग रूट में चलेंगी। हम चाहते हैं जब हमने आत्मनिर्भर हिमाचल की कल्पना की है, तो सभी विभाग आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े और इस दिशा में हमारी सरकार तेजी से कदम उठा रही है।

उपमुख्यमंत्री

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने मानसून की भारी वर्षा से प्रभावित पेयजल व सिंचाई योजनाओं की बहाली के संबंधित विभाग को निर्देश दिए हैं, ताकि लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि भारी बारिश व भूस्खलन जैसी घटनाओं से जलशक्ति विभाग की 3 हजार 6 सौ 98 परियोजाएं क्षतिग्रस्त हुई हैं।

सुर्खिया समाचार पत्रों से

आज समाचार पत्रों ने बादल फटने व भूस्खलन से हुए नुकसान से जुड़ी खबर को सचित्र प्रकाशित किया है।

अमर उजाला की सुर्खी है–हिमाचल में तबाही के बीच चार और शव मिले, मंडी में 56 लापता, वायुसेना से मांगी मदद। दिव्य हिमाचल के शब्द हैं–पूरी तरह से बर्बाद हो गए सराज और थुनाग बाजार। दैनिक भास्कर का शीर्षक है–42 घंटों में 11 की मौत, 34 लोग लापता, रेस्कयू टीमों ने 370 लोग सुरक्षित निकाले। आपका फैसला के मुताबिक–अभी भी 33 लोग लापता, सर्च आपेरशन जारी। दैनिक जागरण ने केंद्रीय मंत्री व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के हवाले से लिखा है–केंद्र से मिले धन का समय पर उपयोग करे प्रदेश सरकार।